हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

## कुलपतियों के साथ बैठक में राज्यपाल ने दिए निर्देश

# वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च पर फोकस करें : गुरमीत

देहरादून, विशेष संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को राज्य हित से जुड़ा एक एक शोध करने के निर्देश दिए। इसके लिए राज्यपाल ने हर कुलपति को एक-एक साल का वक्त दिया है। गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ बैठक में राज्यपाल ने वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च योजना शुरू करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हर विवि अपनी विशेषज्ञता के अनुसार राज्य हित में योगदान के लिए एक-एक शोध तैयार करेंगे। यह शोध ऐसा हो जो कि राज्य के विकास और लोगों के जीवन उन्नयन में उपयोगी साबित हो। विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय चयन करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर्स अवॉर्ड शुरू करने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी को ई-लाइब्रेरी स्थापित करने को भी कहा। इस मौके पर यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय की अंक तालिका एवं उपाधियों में सुरक्षा विशेषता संबंधी प्रस्तुतिकरण दिया।

बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, दीपेंद्र चौधरी, विधि परामर्शी- राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ विजय जोगदंडे, नमामि बंसल, कुलपति डॉ. ओपीएस नेगी, प्रो. एनके जोशी, डॉ. मनमोहन चौहान, प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, प्रो. हेमचन्द्र, दीवान सिंह रावत, प्रो. सुरेखा डंगवाल, डॉ. परविंदर कौशल और प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को कुलपतियों के साथ बैठक की। • हिन्दुस्तान

> “ विश्वविद्यालय के शोध के आधार पर तैयार दस्तावेज को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए इसे सरकार से साझा किया जाएगा। शोध एवं अनुसंधान का लाभ लोगों को मिले तभी इनकी सार्थकता होगी।
>
> -लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, (सेनि), राज्यपाल

### यूटीयू की ई लाइब्रेरी में एक लाख से ज्यादा लेक्चर

देहरादून। राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ भी किया। इस ई-लाइब्रेरी में 7.24 लाख पाठ्यसामग्री उपलब्ध है। साथ ही एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों के ई-शोध पत्र, एक लाख से अधिक वीडियो लेक्चर और 19 हजार से अधिक ई-बुक्स उपलब्ध रहेंगी।